CC MM YY KK

RNI. No. MAHHIN-2014/55445 Postal Reg.No. NPCity/437/2023-2025 www.kendriyamanavadhikar.com

केन्द्रीय सम्माननीय जीवन समान अधिकार दैनिक

मानवाधिकार

| नागपुर. शनिवार, 2 अगस्त 2025 | वर्ष - 13 | अंक - 158 | पृष्ठ - 4 | मुल्य - 2 रु.

संपादक : मिलिंद दहिवले

दैनिक केन्द्रीय मानवाधिकार
हिन्दी समाचारपत्र के लिए चाहिए
पत्रकार, क्राइम रिपोर्टर, फोटोग्राफर, काउंसलर, रिसेप्शनिस्ट, मार्केटिंग विभाग इंचार्ज, न्यूज एंकर, वीडियो एडिटर, टेलीकॉलर, इवेन्ट मैनेजर
M/F उमेदवार शीघ्र संपर्क करे
- मुख्य कार्यालय -
प्लॉट नं. 386, चंदन नगर, नागपुर-440 024
संपर्क - 9552011005

न्यूज गैलरी

जंगली रमी खेलने वाले वाले कोकाटे का विभाग बदला

मुंबई – शासन की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। उनसे कृषि मंत्रालय वापस लेकर खेल मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कृषि मंत्रालय अब एनसीपी के ही दत्ता भरने को दिया गया है। इससे पहले वह खेल मंत्रालय संभाल रहे थे। महाराष्ट्र विधानसभा में जंगली रमी खेलनेवाले कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे का विभाग बदल दिया गया है। इस संबंध में शासन की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। उनसे कृषि मंत्रालय वापस लेकर खेल मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कृषि मंत्रालय अब एनसीपी के ही दत्ता भरने को दिया गया है। इससे पहले वह खेल मंत्रालय संभाल रहे थे। जानकारी के मुताबिक माणिकराव कोकाटे के इस्तीफे की बात चल रही थी लेकिन अजीत पवार और देवेंद्र फडणवीस की मुलाकात के बाद कोकाटे का विभाग बदला गया और कृषि मंत्रालय जैसे हेवी वेट मंत्रालय से उन्हें खेल विभाग जैसा कमतर मंत्रालय दिया गया है। राज्य विधानसभा में कोकाटे को रमी खेलते हुए दिखाने वाला वीडियो सामने आने के बाद भारी राजनीतिक विवाद शुरू हो गया था। विपक्ष पिछले कुछ महीनों में कोकाटे की टिप्पणियों को लेकर उनका इस्तीफा मांग रहा था। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता ने रमी खेलने के आरोपों से इनकार किया है। कोकाटे ने पुणे में कहा था, "मैं इस मुद्दे पर अब और नहीं बोलना चाहता। मैं जांच रिपोर्ट (रमी खेलने के मुद्दे पर) आने के बाद बोलूंगा।" कोकाटे अपने बयानों को भी लेकर विवाद में रहते हैं। कोकाटे ने पिछले दिनों आरोप लगाया था कि किसान अपनी सब्सिडी का दुरुपयोग करते हैं। उन्होंने किसानों को भिखारी कहा था और अपने मंत्री पद को ''बंजर जमीन का स्वामी'' बताया था। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में कोकाटे राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान सदन में अपने मोबाइल फोन पर कथित तौर पर ऑनलाइन 'रमी' खेलते हुए नजर आए थे। यह विवाद अभी थमा भी नहीं था कि उन्होंने किसानों के बारे में अपनी पिछली टिप्पणियों को स्पष्ट करते हुए सरकार को ''भिखारी'' कहकर एक और विवाद खड़ा कर दिया था।

कबूतरों के झुंड को दाना डालने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश - बॉम्बे हाई कोर्ट

मुंबई – कबूतरों को दाना डालने वालों पर अब कार्रवाई हो सकती है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई नगर निगम को ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। कबूतरों को दाना डालने वाले लोगों के लिए बुरी खबर सामने आ रही है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कबूतरों के झुंड को दाना डालने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कबूतरों के झुंड को दाना डालने को सार्वजनिक परेशानी उत्पन्न करने वाला काम कहा है। इसके साथ ही लोगों के स्वास्थ्य को भी खतरा होने की बात कही गई है। दरअसल, बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने सुनवाई के दौरान बड़ी बात कही है। पशु प्रेमियों के एक समूह द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि ये मामला जनस्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है और ये सभी आयु के लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर व संभावित खतरा है। कोर्ट ने इस महीने की शुरुआत में ही बीएमसी द्वारा महानगर क्षेत्र में किसी पुराने कबूतरखाने को गिराने के काम पर रोक लगा दी गई थी। हालांकि, कोर्ट ने ये भी कहा था कि इन पक्षियों के लिए दाना डालने की मंजूरी नहीं दे सकती। कोर्ट ने बुधवार को हुई सुनवाई में कहा कि बिना मंजूरी के लोग कबूतरखानों दाना डालना जारी रखे हुए हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा- "यह स्थिति अब कानून की घोर अवहेलना की उभरती स्थिति से और भी जटिल हो गई है। हमारे पहले के आदेश में कबूतरों को दाना डालने व उनके जमावड़े का समर्थन करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था और अब नगर निगम के अधिकारियों को इस संबंध में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोका जा रहा है।" कोर्ट ने बीएमसी को निर्देशों की उल्लंघन कर के कबूतरों को दाना डालने वालों को पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

नशे की फैक्ट्री... पुलिस ने पकड़ी 400 करोड़ रुपये की ड्रग्स की खेप

मुंबई – मुंबई पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर के करीब 400 करोड़ रुपये की ड्रग्स की खेप जब्त की है। देशभर में ड्रग्स के खिलाफ पुलिस और एजेंसियों की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में ड्रग्स के खिलाफ अभियान में मुंबई पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। मुंबई पुलिस ने एक बड़ी ड्रग्स की खेप पकड़ी है। मिली जानकारी के मुताबिक, 400 करोड़ रुपये की ड्रग्स की खेप जब्त की गई है। इसके अलावा मुंबई पुलिस ने ड्रग्स के मामले में ही कर्नाटक के मैसूर में भी छापेमारी की है।

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, मुंबई पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बड़ी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। खबर आई है कि पुलिस ने एमडी ड्रग्स जब्त की है। जब्त किए गए

ड्रग्स की कीमत करीब 400 करोड़ रुपये की बताई जा रही है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, मुंबई पुलिस ड्रग्स मामले में मैसूर में छापेमारी की है। मुंबई पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा- "मुझे लगता है कि मुंबई पुलिस ने किसी को पकड़ा है, या तो तस्कर या फिर उपयोगकर्ता। उन्होंने इसे मैसूर में ट्रेस किया है, और जाहिर है, जिस व्यक्ति को उन्होंने पकड़ा है, उसने बयान दिया है कि यह मैसूर से आया है, और वे इसे ढूंढ रहे थे, और उन्हें पता चला है कि एक व्यक्ति या शायद कुछ लोग ऐसा कर रहे हैं।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने आगे कहा- "मैंने मैसूर कमिश्नरेट को बहुत सख्त निर्देश दिए हैं। साथ ही, पूरे राज्य में, अब हर एसपी को संवेदनशील बना दिया गया है, और हर कमिश्नरेट को यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत सख्त निर्देश दिए गए हैं कि ऐसी चीजें न हों।" इससे पहले रविवार को पुणे शहर में एक 'ड्रग पार्टी' का मामला सामने आया। पुलिस की छापेमारी के बाद 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन सभी आरोपियों को पुणे की एक कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने सातों आरोपियों को 29 जुलाई तक पुलिस की हिरासत में भेज दिया है।

खराब लिखावट पर बच्चे का हाथ जलाया, शिक्षिका पर मामला दर्ज

मुंबई – एक ट्यूशन टीचर ने एक मासूम बच्चे का हाथ इसलिए जलाया क्योंकि उसकी हैंडराइटिंग खराब थी। मलाड इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक ट्यूशन टीचर ने आठ साल के मासूम बच्चे को अमानवीय तरीके से सजा दी है। आरोप है कि ट्यूशन टीचर राजश्री राठौड़ ने बच्चे की खराब लिखावट से नाराज होकर उसके हाथ पर जलती हुई मोमबत्ती रख दी, जिससे बच्चे का हाथ बुरी तरह झुलस गया। इस मामले में बच्चे के पिता की शिकायत पर कुरार पुलिस ने शिक्षिका के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित बच्चा गोरेगांव की एक स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ता है और हर शाम मलाड की जे.पी. डेक्स इमारत में रहने वाली राजश्री राठौड़ के घर ट्यूशन पढ़ने जाता था। घटना वाले दिन उसकी बहन उसे ट्यूशन छोड़ने गई थी। बाद में रात को टीचर ने फोन कर बच्ची को कहा कि वह अपने भाई को वापस ले जाए। जब बहन ट्यूशन लेने पहुंची तो देखा कि बच्चा रो रहा था और उसके दाहिने हाथ पर गंभीर रूप से जलने के निशान थे। जब उसने टीचर से पूछा तो उन्होंने इसे 'नाटक' बताया। लेकिन घर पहुंचने पर बच्चे ने अपने पिता को बताया कि राजश्री मैडम ने उसकी खराब लिखावट की सजा देते हुए उसका हाथ जलती मोमबत्ती पर रख दिया। उसे तुरंत कांदिवली के डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मालेगांव बम धमाका : सभी आरोपी कोर्ट से हुए बरी

मालेगांव में हुए बम धमाका मामले में एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने सभी 7 आरोपियों को बरी कर दिया है। महाराष्ट्र के मालेगांव में साल 2008 में हुए बम धमाके मामले में 17 साल का इंतजार आज खत्म हो गया है। मुंबई की NIA स्पेशल कोर्ट इस मामले में आज बड़ा फैसला सुनाया।

कोर्ट ने साध्वी प्रज्ञा और कर्नल पुरोहित समेत सभी 7 आरोपियों को बरी कर दिया है। स्पेशल जज एके लाहोटी इस केस में फैसला सुनाया है। आपको बता दें कि 29 सितंबर 2008 को मालेगांव में ब्लास्ट हुआ था। ब्लास्ट में 6 लोगों की मौत और करीब 100 लोग घायल हुए थे। भाजपा की पूर्व सांसद उमा भारती ने इस फैसले को लेकर सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा, 'भोपाल की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा आज निर्दोष साबित हुईं। प्रज्ञा जी को बधाई एवं माननीय न्यायालय का अभिनंदन।' मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इसे लेकर कहा कि मालेगांव में कोर्ट का फैसला अपीलेबल है। इसका अपील आवश्यक होगा।

साधवी प्रज्ञा सिंह ने कहा, "मैंने शुरू से ही कहा है कि जिन्हें भी जांच के लिए बुलाया जाता है, उसके पीछे कोई आधार होना चाहिए। मुझे जांच के लिए बुलाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया और प्रताड़ित किया गया। इससे मेरा पूरा जीवन बर्बाद हो गया। मैं एक साधु का जीवन जी रही थी, लेकिन मुझे फंसा दिया गया और मुझ पर आरोप लगा दिया गया और कोई भी स्वेच्छा से हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। मैं जीवित हूं क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं। उन्होंने एक षड्यंत्र के तहत भगवा को बदनाम किया। आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है, और जो दोषी हैं उन्हें भगवान सजा देंगे। हालांकि, जिन्होंने भारत और भगवा को बदनाम किया, वे आपके द्वारा गलत साबित नहीं हुए हैं।"

इस मामले में लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित ने जज से कहा, "मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे उसी दृढ़ विश्वास के साथ अपने देश और अपने संगठन की सेवा करने का मौका दिया, जैसा मैं इस मामले में फंसाए जाने से पहले कर रहा था। मैं इसके लिए किसी संगठन को दोष नहीं देता। जांच एजेंसियों जैसे संगठन गलत नहीं हैं, लेकिन संगठन के अंदर के लोग ही गलत हैं। मैं आपको व्यवस्था में आम आदमी का विश्वास फिर से बहाल करने के लिए धन्यवाद देता हूं।"

लैंडस्लाइड का मलबा गिरने से ट्रेन के डिब्बे में घुसा कीचड़ और पत्थर

ठाणे – स्थित कसारा स्टेशन पर एक ट्रेन के ऊपर लैंडस्लाइड का मलबा गिर गया है। इस कारण डिब्बे में कीचड़ और पत्थर घुस गया और एक यात्री घायल हो गया। ठाणे जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला देखने को मिला है। यहां कसार स्टेशन पर लोकल ट्रेन पर भूस्खलन यानी लैंडस्लाइड का मलबा गिर गया। मलबा गिरने के कारण ट्रेन में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, लैंडस्लाइड का मलबा ट्रेन के तीसरे नंबर के डिब्बे पर गिरा। डिब्बे में कीचड़ और पत्थर घुस गया। इस घटना में एक यात्री घायल भी हो गया है। मध्य रेलवे के एक अधिकारी ने कसार स्टेशन पर हुए हादसे के बारे में जानकारी दी है। ये हादसा मंगलवार रात को तब हुआ जब एक लोकल ट्रेन ठाणे जिले में कसारा स्टेशन पर पहुंची। लोकल ट्रेन रात करीब 9 बजकर 15 मिनट पर कसारा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 पर एंट्री कर रही थी। तभी ट्रेन के एक डिब्बे पर भूस्खलन का मलबा गिर जाने से एक पुरुष यात्री घायल हो गया। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला के मुताबिक, भूस्खलन उस समय हुआ, जब कसारा स्टेशन पर ट्रेन का तीसरा डिब्बा घटनास्थल से गुजर रहा था। डिब्बे के दरवाजे खुले हुए थे। इस कारण थोड़ा कीचड़ और पत्थर ट्रेन में घुस गया। आपको बता दें कि कसारा स्टेशन, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से करीब 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेलवे अधिकारी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, कसारा स्टेशन पर ट्रेन पर भूस्खलन का मलबा गिरने के कारण हादसे में घायल हुए यात्री को स्टेशन पर ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों ने प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद रेलवे के इंजीनियरिंग कर्मचारियों ने ट्रैक को चेक किया और फिर 9 बजकर 35 मिनट पर ट्रैक को परिचालन के लिए सुरक्षित घोषित किया गया। दी गई जानकारी के मुताबिक, इस पूरी घटना के कारण लोकल या लंबी दूरी की रेल सेवाओं में कोई व्यवधान नहीं हुआ।

दो मासूम बच्चों को जिंदा जलाया, परिजनों का आरोप

पटना – पटना में दो बच्चों की जलकर मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि दबंगों ने बच्चों को जिंदा जलाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिहार की राजधानी पटना में अपराधी बेखौफ हो गए हैं। राजधानी पटना के जानीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नगवां गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आरोप है कि घर में सो रहे दो मासूम बच्चों को अपराधियों ने जिंदा जला दिया। मृत बच्चों की उम्र करीब 10 और 12 वर्ष बताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही जानीपुर थाना पुलिस एवं फुलवारी शरीफ अनुमंडल पदाधिकारी दीपक कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के पिता ने बताया कि हम पटना के चुनाव आयोग के दफ्तर में कार्यरत हैं और पत्नी एम्स में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर तैनात है। बच्चे स्कूल से पढ़कर आकर घर में सो रहे थे। इस दौरान किसी ने घर में घुसकर दोनों बच्चों को आग के हवाले कर दिया। पलंग पर दोनों बच्चों का शव जली अवस्था में मिला। सूचना पर घर पर पहुंचे तो देखा दोनों बच्चे जल रहे हैं। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी।

ग्रामीणों ने घटना पर संदेह जताते हुए आरोप लगाया है कि यह सामान्य हादसा नहीं बल्कि साजिश है। उनका कहना है कि गांव के कुछ दबंगों ने जानबूझकर घर में आग लगाई, जिससे दोनों बच्चों की जान चली गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) टीम को बुला लिया है। डॉग स्क्वायड और स्पेशल टीम भी घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। जांच अधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आग लगने से बच्चों की मौत का प्रतीत होता है, लेकिन परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की भी गंभीरता से जांच की जा रही है। वहीं, दो बच्चों की संदिग्ध मौत के बाद आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने सरकार पर निशाना साधा है। तेजस्वी ने एक्स पर ट्वीट कर कहा कि 'पटना में सत्ता संरक्षित अपराधियों ने घर में घुसकर नर्स के दो नाबालिग बेटों को जिंदा जलाया। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद है कि अब घर, कार्यालय, अस्पताल कहीं कोई सुरक्षित नहीं'।

फुलवारी शरीफ ने बताया की हमें सूचना मिली थी कि दो बच्चे एक लड़का और एक लड़की की आग में जलने से मौत हो गई है। मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी गई है। परिजन कुछ लोगों पर आरोप लगा रहे हैं कि उन्होंने जानबूझकर आग लगाई। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। वहीं परिजनों ने कुछ लोगों पर बच्चों को घर में घुसकर जलाने का आरोप लगाया है। परिजनों ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर क्यों लगाया 25% टैरिफ!

अमेरिका – अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ट्रंप ने भारत पर 25% टैरिफ लगाने और एक अगस्त से जुर्माना वसूलने का ऐलान किया है। ट्रंप ने इसके पीछे की वजह बताई, भारत और अमेरिका का दोस्त होने के बावजूद, व्यापार के मामले में कभी बहुत सहयोगी नहीं रहा है। भारत दुनिया में सबसे ऊंचे टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक है और वहां नॉन-मॉनेटरी ट्रेड बैरियर्स भी बेहद जटिल और आपत्तिजनक हैं। ट्रंप ने कहा, यही वजह है कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक लेन-देन सीमित रहा है।

याद रखें, भारत हमारा मित्र है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हमने उसके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है क्योंकि उसके टैरिफ बहुत ज़्यादा हैं, दुनिया में सबसे ज़्यादा हैं, और किसी भी देश की तुलना में उसके यहां सबसे कठोर और अप्रिय गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाएं हैं। इसके अलावा, उसने हमेशा अपने अधिकांश सैन्य उपकरण रूस से ही खरीदे हैं, और चीन के साथ, वह रूस का सबसे बड़ा ऊर्जा खरीदार है, वो भी ऐसे समय में जब हर कोई चाहता है कि रूस यूक्रेन में हत्याएं रोके - सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को पहली अगस्त से 25% टैरिफ और उपरोक्त सभी के लिए जुर्माना देना होगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। मागा (Make America Great Again)!

एक अगस्त से प्रभावी होगा टैरिफ - अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के लिए टैरिफ की तिथि भी एक अगस्त तय कर रखी है, जब बाकी देशों पर भी उनका टैरिफ प्रभावी होगा। हालांकि ट्रंप ने अपनी टैरिफ का ऐलान उन्होंने पहले ही मई महीने में कर दिया था, लेकिन बाद में इसे एक्सटेंड कर दिया था। उस समय उन्होंने भारत पर 26 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था, जिसे बाकी देशों को एक्सटेंशन देने के साथ ही 90 प्रतिशत तक एक्सटेंड कर दिया गया था।

आखिरी बार डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ की डेडलाइन एक अगस्त तय की थी और इसको लेकर उन्होंने अलग से पोस्ट भी किया और कहा, "पहला अगस्त, अमेरिका के लिए एक महान दिन होगा।" ट्रंप ने एक अन्य पोस्ट में कहा, "पहली अगस्त की डेडलाइन पहली अगस्त की डेडलाइन है - और यह अटल है, इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। यह दिन अमेरिका के लिए बड़ा दिन होगा।"

CC MM YY KK

संपादक की कलम से

आम नागरिक मसौदा

मिलिंद दहिवले
संपादक

बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अब तक भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लगभग 18.66 लाख मतदाताओं की मृत्यु हो गई है, 26.01 लाख मतदाता अन्यत्र चले गए हैं तथा 7.5 लाख मतदाता दो स्थानों पर पंजीकृत पाए गए हैं। चुनाव आयोग ने एक जोरदार अभियान चलाया है और 1 अगस्त, 2025 को मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित किया जाएगा। इसके लिए लगभग 1 लाख बीएलओ, 4 लाख स्वयंसेवक और 12 प्रमुख राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों द्वारा नियुक्त 1.5 लाख बीएलए काम कर रहे हैं।आयोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि 1 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक आम नागरिक मसौदा मतदाता सूची के संबंध में आपत्तियों, सुधारों, समावेशन या बहिष्करण के लिए अधिकारियों को आवेदन कर सकेंगे।

स्वदेशी हस्तशिल्प की अमूल्य धरोहर है कोल्हापुरी चप्पल

भारत के सबसे पुराने पारंपरिक हस्तशिल्पों में से एक, कोल्हापुरी चपला एक बार फिर सुर्खियों में आ रही है। महाराष्ट्र और देश में पीढ़ियों से अपनी अनूठी कारीगरी का जादू बिखेर रही कोल्हापुरी चपला अब विदेशी बाज़ारों में भी धूम मचा रही है। भारत के विविध पारंपरिक हस्तशिल्पों में, कोल्हापुरी चप्पलें इस बात का सच्चा उदाहरण हैं कि मानव हाथों का शिल्प कितना अनूठा हो सकता है। इनकी अपनी एक विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान है। कोल्हापुरी चप्पलों का सफ़र दरअसल मध्य युग से ही चला आ रहा है। हालाँकि वर्तमान फैशन जगत में इनका पदार्पण नया है, लेकिन इनके पीछे सैकड़ों वर्षों का पारंपरिक ज्ञान, कौशल और पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित संस्थागत प्रयासों का इतिहास छिपा है।

कोल्हापुरी चप्पलें मुख्यतः कोल्हापुर, सांगली और सोलापुर में बनाई जाती थीं। यह कला पीढ़ी-दर-पीढ़ी उन परिवारों में चली आ रही है जो इन चप्पलों को बनाते हैं। प्राकृतिक रूप से प्राप्त चमड़े और गुंथी हुई पट्टियों से बने ये चमड़े के जूते हमारे देश में लगभग 12वीं शताब्दी से बनाए जा रहे हैं। 20वीं शताब्दी के शुरुआती दशकों में, इस प्राचीन शिल्प ने एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मोड़ लिया। कोल्हापुर के दूरदर्शी शासक, छत्रपति राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज ने कोल्हापुरी चप्पलों के उपयोग को बढ़ावा देने का निर्णय लिया और उन्हें एक पेशे के रूप में स्थापित किया। देहाती ग्रामीण चप्पलें बनाने वाले बलुतेदार धीरे-धीरे शाही कारीगर बन गए और उनके बनाए जूते स्वदेशी पहचान के प्रतीक बन गए।

दशकों से हमारी इस बहुमूल्य सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का बीड़ा उठाने वाला सरकारी संगठन, संत रोहिदास चमड़ा उद्योग एवं चमड़ा कारीगर विकास निगम (लिडकॉम) है। चमड़ा उद्योग विकास निगम वर्षों से कारीगरों के लिए कौशल विकास के अवसर पैदा करने, परंपरा में निरंतरता और गुणवत्ता बनाए रखने, और एक ऐसा व्यवसाय बनाने की नीति पर काम कर रहा है जो दीर्घकालिक रूप से आर्थिक रूप से टिकाऊ हो। 1974 में अपनी स्थापना के बाद से, निगम ने प्रशिक्षण प्रदान करके, प्रयोग को प्रोत्साहित करके, बाज़ारों का विस्तार करके और जीवन स्तर में सुधार करके हज़ारों ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बनाया है।

कारीगरों के हितों को बढ़ावा देना, परंपरा का संरक्षण

चमड़ा उद्योग में निगम की भागीदारी केवल आर्थिक मुद्दों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि निगम अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए भी प्रतिबद्ध है। निगम कोल्हापुरी फुटवियर हस्तशिल्प को पुनर्जीवित करने और बदलती अर्थव्यवस्था में इसके अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए कई मोर्चों पर काम करता है। निगम कई सुनियोजित योजनाओं को क्रियान्वित करता है जैसे प्रशिक्षण केंद्रों का विकास, स्व-विकास समूहों का सशक्तिकरण, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के बीच खरीदारों और आपूर्तिकर्ताओं की एक श्रृंखला का निर्माण। निगम के उद्देश्यों के बारे में बात करते हुए, प्रबंध निदेशक श्रीमती प्रेरणा देशभ्राता (आईएएस) कहती हैं :

"कोल्हापुरी चपलाएँ केवल उपयोगितावादी मूल्य की वस्तुएँ नहीं हैं, बल्कि उनमें देशभक्ति, आत्मनिर्भरता और अस्तित्व जैसी गौरवशाली परंपराओं की कई कहानियाँ समाहित हैं, जिनका संरक्षण आवश्यक है। अपने संगठन के माध्यम से, हम यह सुनिश्चित करने

का प्रयास करते हैं कि यह सांस्कृतिक विरासत हमारे कारीगरों के हाथों को सदैव मज़बूत बनाए रखे और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करे।"

आधुनिक अर्थव्यवस्था में प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए भौगोलिक पहचानकर्ता

कोल्हापुरी शिल्पकला की मूल परंपरा को संरक्षित रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि बाज़ार में अन्य निर्माता लाभ के लिए इसकी नकल न करें, महाराष्ट्र और कर्नाटक के चमड़ा उद्योग विकास निगमों ने 2019 में संयुक्त रूप से आवेदन (आवेदन संख्या 169) किया और भौगोलिक सूचकांक टैग प्राप्त किया। वैश्विक अर्थव्यवस्था में इस कानूनी प्रावधान के कारण, प्रामाणिक कोल्हापुरी चप्पल बनाने के सभी अधिकार अब महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ जिलों के लिए आरक्षित हैं।

बौद्धिक संपदा को विनियमित करने वाले ट्रिप्स जैसे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौतों के तहत सदस्य देशों के लिए जीआई टैग के प्रावधान बाध्यकारी हैं। भौगोलिक संकेत चिह्न या जीआई टैग प्रमाणपत्र जूते को "पारंपरिक तकनीकों का उपयोग करके हाथ से बनाया गया, बिना किसी कृत्रिम कच्चे माल या मशीनरी के उपयोग के, खुले पैर के डिज़ाइन वाला और प्राकृतिक रूप से टैन किए गए चमड़े से बना" के रूप में परिभाषित करता है। यह प्रमाणपत्र कारीगरों की पहचान की रक्षा करने और बाजार में उनकी विश्वसनीयता साबित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पारंपरिक हस्तशिल्प के साथ प्रौद्योगिकी का संयोजनः प्रामाणिक उत्पादों के लिए क्यूआर कोड

जालसाजी रोकने और कारीगरों की पहचान उजागर करने के एक और कदम के रूप में, निगम ने कोल्हापुरी चप्पलों के लिए क्यूआर कोड प्रमाणीकरण शुरू किया है। अब प्रत्येक जोड़ी एक विशिष्ट क्यूआर कोड के साथ आती है। उस कोड से निम्नलिखित जानकारी प्राप्त की जा सकती है: कारीगर या उत्पादन समूह का नाम और स्थान, महाराष्ट्र में उस उत्पाद का जिला, इसमें प्रयुक्त शिल्प तकनीकें और सामग्रियाँ, जीआई प्रमाणपत्र की वैधता स्थिति। यह नई डिजिटल पहल खरीदारों का विश्वास जीत रही है और इन पारंपरिक उत्पादों को बनाने वाले कारीगरों की बाजार स्थिति को मजबूत कर रही है।

कोल्हापुरी चप्पलों की बढ़ती लोकप्रियता के बीच, चमड़ा उद्योग विकास निगम नागरिकों, डिज़ाइनरों और खरीदारों से हमारी प्रामाणिक स्वदेशी हस्तशिल्प परंपराओं और उन्हें बनाए रखने वाले समुदायों का समर्थन करने की अपील कर रहा है। कोल्हापुरी चप्पलें सिर्फ़ फैशन की चीज़ें नहीं हैं। ये हमारी संस्कृति की एक अनूठी अभिव्यक्ति हैं जो पारंपरिक हस्तशिल्प और छोटे समुदायों की मौलिक गरिमा को संरक्षित करती हैं।

संत रोहिदास चमड़ा उद्योग विकास निगम (लिडकॉम), पारंपरिक कारीगरों के कल्याण हेतु महाराष्ट्र सरकार की अनेक पहलों में से एक है। इस संगठन का उद्देश्य इस पेशे में पारंपरिक कारीगरों के हितों की रक्षा करना, नए विचारों और प्रयोगों को प्रोत्साहित करना, बाज़ार के विस्तार के तरीके खोजना और चमड़ा उद्योग में प्रगति हेतु चमड़ा कारीगर समुदाय का विकास करना है। ग्रामीण चमड़ा कारीगरों के साथ अपने कार्य के माध्यम से, निगम ने कोल्हापुरी चप्पल को महाराष्ट्र के सांस्कृतिक इतिहास और जन-केंद्रित अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख प्रतीक के रूप में पुनः स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

– **राकेश बेद,** प्रबंधक, लिडकॉम

सोनम कपूर ने डियोर ऑटम शो 2025 ने बिखेरा जलवा

बॉलीवुड अभिनेत्री और ग्लोबल फैशन आइकन सोनम कपूर ने डियोर ऑटम शो 2025 में अपनी मौजूदगी से सभी का ध्यान आकर्षित किया। जापान की सांस्कृतिक राजधानी क्योटो में आयोजित इस शो में सोनम ने डियोर प्री-फॉल 2025 के शानदार परिधान में शिरकत की और अपने अंदाज़ में गरिमा व स्टाइल का संगम प्रस्तुत किया। वह इस शो में भाग लेने वाली एकमात्र बॉलीवुड स्टार रहीं।

डियोर की ब्रांड एम्बेसडर के रूप में, सोनम कपूर ने एक बार फिर अपनी विशिष्ट एलिगेंस और सादगी का परिचय दिया। यह शो क्योटो के प्रसिद्ध टो-जी मंदिर में आयोजित किया गया, जिसमें सोनम कई प्रतिष्ठित मेहमानों के साथ शामिल हुईं।

सोनम को उनकी बहन रिया कपूर ने स्टाइल किया था। उन्होंने अपनी डियोर लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, जिन्हें फैशन क्रिटिक्स और फैन्स से काफी सराहना मिली। इस शो में भाग लेने पर सोनम कपूर ने कहा, जापान हमेशा मेरे दिल के बेहद करीब रहा है। शादी के बाद मैं अपने पति के साथ क्योटो कई बार आई हूं और यहां के लोगों की गर्मजोशी और अपनापन महसूस किया है। इस साल डियोर एम्बेसडर के तौर पर लौटना मेरे लिए और भी खास है।

आलिया भट्ट ने बताया अपना पसंदीदा शेफ

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। उन्होंने मंगलवार को बताया कि उनका पसंदीदा शेफ कौन है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर रचनात्मक व्यंजनों की एक तस्वीर पोस्ट की। अभिनेत्री ने बताया कि यह मॉडलिंग क्ले का उपयोग करके उनकी बेटी द्वारा बनाया गया है। आलिया ने अपनी बेटी की रचनात्मकता की प्रशंसा की और प्यार से राहा को अपना पसंदीदा शेफ बताया। आलिया ने फोटो को कैप्शन दिया। मेरा 7-कोर्स भोजन। मेरे पसंदीदा शेफ द्वारा तैयार किया गया।

बेहतरीन अभिनेता हैं रणबीर कपूर: इमरान

अभिनेता इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड जीरो' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच इमरान हाशमी ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात की। उन्होंने बॉलीवुड में उभरती प्रतिभाओं के बारे में खुलकर बात की और रणबीर कपूर को उनकी जनरेशन का बेस्ट स्टार बताया। उन्हें मौजूदा पीढ़ी के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक बताते हुए हाशमी ने 'एनिमल' में रणबीर के अभिनय की तारीफ की।रणबीर की अभिनय क्षमता की तारीफ करते हुए इमरान ने कहा,मैं सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करूंगा- यह शोर से भरा एक इको चैंबर है। इसे गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए।

गायिका किंजल दवे ने किए महाकाल के दर्शन

गायिका और अभिनेत्री किंजल दवे बुधवार को उज्जैन स्थित बाबा महाकाल के द्वार पहुंचीं, जहां उन्होंने महाकाल के दर्शन किए और भस्म आरती में शामिल हुईं। गुजराती गायिका महाकाल की भक्ति में डूबी नजर आईं। किंजल दवे ने नंदी हॉल में बैठ भगवान महाकालेश्वर की साधना की। चांदी द्वार से दर्शन पूजन कर उन्होंने भगवान का आशीर्वाद लिया। श्रीराम पुजारी ने पूजन सम्पन्न करवाया। उन्होंने भगवान महाकालेश्वर के दर्शन के बाद खुशी जाहिर की। दर्शन-पूजन के पश्चात गायिका ने मंदिर समिति और मध्य प्रदेश सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह बाबा के मंदिर पहली बार आई हैं और उन्हें अच्छे से दर्शन हुए। उन्होंने कहा कि मैं भगवान महाकालेश्वर के दर्शन कर काफी खुश हूं। मैं यहां पहली बार आई हूं, पहली बार भस्म आरती में शामिल होकर काफी खुशी मिली है। बाबा का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। पुजारी श्रीराम ने गायिका को नीले रंग का पटका प्रसाद स्वरूप भेंट किया।

बता दें, किंजल दवे महाकाल पर भक्ति गीत 'जिसे मोह न माया जाल का वो भक्त है महाकाल का' भी गा चुकी हैं। कई गुजराती फिल्मों मे गाने गा चुकीं किंजल दवे का जन्म गुजरात के पाटण जिले में हुआ है। गायन के साथ ही किंजल अभिनय में भी निपुण है, वह कुछ फिल्मों में अभिनय भी कर चुकी हैं। किंजल दवे गायिका और अभिनेत्री के साथ ही राजनीति में भी सक्रिय हैं। वह भारतीय जनता पार्टी से जुड़ी हैं। महाकाल के दर्शन को उज्जैन पहुंचने वाले सितारों की लिस्ट काफी लंबी हो चुकी है। 30 मार्च को अभिनेता विंदु दारा सिंह महाकाल के दर्शन किए और भस्म आरती में भी शामिल हुए। उनके साथ परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे। महाकालेश्वर मंदिर में होने वाली भस्म आरती लोकप्रिय है और इसमें शामिल होने के लिए दुनियाभर से श्रद्धालु उज्जैन आते हैं।

यह पत्र मालक, मुद्रक, प्रकाशक मिलिंद दहीवले ने एम.पी.ऑफसेट सिरसपेठ चौक, उमरेड़ रोड, नागपुर यहां से मुद्रित कर कार्यालय - फ्लैट नंबर 204, दूसरा माला, साकेत अपार्टमेंट, फूलमती ले-आउट, आरोग्यम क्लीनिक के पास, नागपुर-440027 से प्रकाशित किया. मिलिंद दहीवले, मो.9552011005. email : manvadhikar2012@gmail.com वेबसाईट: www.kendriyamanvadhikar.com

This paper is printed by owner, printer and publisher Milind Dahiwale at MP Offset, Siraspeth Chowk, Umred Road, Nagpur and published from office Flat No. 204, Second Floor, Saket Apartment, Phulmati Layout, Near Arogya Clinic, Nagpur 440027. Milind Dahiwale Mobile No. 9552011005. email : manvadhikar2012@gmail.com वेबसाईट: www.kendriyamanvadhikar.com

केन्द्रीय मानवाधिकार समाचार पत्र में प्रकाशित सभी लेख, छायाचित्र पर संपादक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है। न्यायिक कार्यवाही केवल नागपुर न्यायालय में होगी।

न्यूज गैलरी

'सबसे पहले राष्ट्र... देश को बेहतर बनाने का माध्यम है राजनीतिक पार्टियां'

नई दिल्ली – कांग्रेस सांसद शशि थरूर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। इन दिनों सियासी गलियारों में ऐसी चर्चा है कि उनकी नजदीकियां अब बीजेपी की ओर बढ़ रही हैं। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि राष्ट्र पहले आता है। पार्टियां देश को बेहतर बनाने का माध्यम हैं। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद थरूर ने कहा कि किसी भी पार्टी का उद्देश्य एक बेहतर भारत का निर्माण करना होता है। उन्होंने कहा कि वह देश की सशस्त्र सेनाओं और सरकार का समर्थन करने के अपने रुख पर अड़े रहेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि 'यह देश के लिए सही बात है।' कांग्रेस सांसद ने कहा, 'आपकी पहली निष्ठा किसके प्रति है? मेरे विचार से राष्ट्र सर्वप्रथम है। पार्टियां राष्ट्र को बेहतर बनाने का माध्यम हैं। इसलिए मेरे विचार से आप जिस भी पार्टी से हों, पार्टी का उद्देश्य अपने तरीके से एक बेहतर भारत का निर्माण करना है।' उन्होंने यहां 'शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय विकास' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'अब, पार्टियों को इस बात पर असहमत होने का पूरा अधिकार है कि ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है? जैसा कि आप जानते हैं, बहुत से लोग मेरे रुख के कारण मेरे आलोचक रहे हैं, क्योंकि मैंने सशस्त्र बलों और हमारी सरकार का समर्थन किया है तथा हाल में हमारे देश और हमारी सीमाओं पर जो कुछ हुआ है, उसके बारे में भी मैंने ऐसा ही रुख अपनाया है।' कांग्रेस सांसद ने कहा, 'लेकिन मैं अपनी बात पर अड़ा रहूंगा, क्योंकि मेरा मानना है कि यह देश के लिए सही बात है।' बाद में कार्यक्रम से इतर उन्होंने पत्रकारों से कहा कि 'राष्ट्र प्रथम हमेशा से मेरा दर्शन रहा है।' उन्होंने कहा कि वह भारत केवल इसलिए लौटे हैं ताकि राजनीति के माध्यम से और राजनीति से बाहर भी हर संभव तरीके से देश की सेवा कर सकें। उन्होंने कहा, 'मैंने ऐसा करने की कोशिश की है।' यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें कांग्रेस आलाकमान से कोई समस्या है, थरूर ने कहा कि वह यहां किसी राजनीति या समस्या पर चर्चा करने नहीं आए हैं।

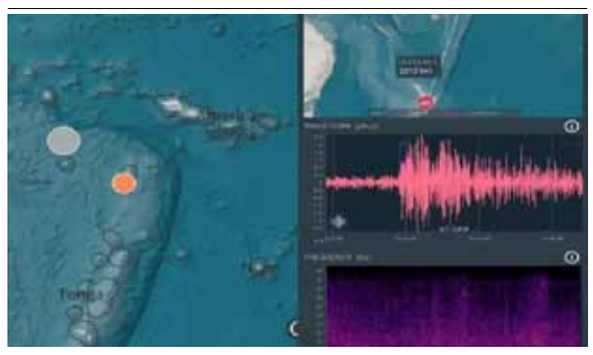

द्वीप राष्ट्र समोआ 6.6 तीव्रता वाले भूकंप के झटके से कांपा

मेलबर्न – दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित द्वीप राष्ट्र समोआ को भूकंप का तेज झटका लगा है। शुक्रवार को 6.6 तीव्रता के भूकंप से इस देश के लोग दहशत में आ गए हैं। दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित द्वीप राष्ट्र समोआ को भूकंप का तेज झटका लगा है। शुक्रवार को 6.6 तीव्रता के भूकंप से इस देश के लोग दहशत में आ गए हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण एजेंसी के अनुसार यह भूकंप स्थानीय समयानुसार देर सुबह राजधानी अपिया से 440 किलोमीटर (273 मील) दक्षिण-पश्चिम में, 314 किलोमीटर (195 मील) की गहराई में आया। अब तक किसी प्रकार की क्षति या चोट की कोई तत्काल रिपोर्ट नहीं मिली है। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने इस भूकंप के बाद कोई सुनामी चेतावनी जारी नहीं की। बता दें कि समोआ "रिंग ऑफ फायर" पर स्थित है। यह प्रशांत महासागर के चारों ओर फैला एक भूकंपीय क्षेत्र है, जहां भूकंप और ज्वालामुखीय गतिविधियां आम हैं। गौरतलब है कि 2009 में, समोआ और अमेरिकी समोआ (एक अमेरिकी क्षेत्र) के बीच दो बड़े भूकंप आए थे, जिनके कारण सुनामी लहरें उठीं और समोआ, अमेरिकी समोआ और टोंगा में कम से कम 192 लोगों की जान गई थी।

शारदा यूनिवर्सिटी छात्रा सुसाइड केस, मां ने प्रोफेसर को जड़ा तमाचा

नोएडा – शारदा यूनिवर्सिटी की छात्रा ने 18 जुलाई को सुसाइड कर लिया था। इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ के केस दर्ज किया गया है। इस बीच छात्रा की मां ने प्रोफेसर को तमाचा जड़ दिया। ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा यूनिवर्सिटी की एक छात्रा ने 18 जुलाई को हॉस्टल में जान दे दी थी। इस सुसाइड केस में दो प्रोफेसरों का नाम सामने आया है। मृतक छात्रा का नाम ज्योति शर्मा है, जिसने यूनिवर्सिटी के प्रोफेसरों पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। ज्योति बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी की सेकेंड ईयर की छात्रा थी। इस मामले मे पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। जान देने वाली छात्रा के परिजन लगातार इंसाफ की मांग कर रहे हैं। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में भी लिया है। इस बीच ज्योति शर्मा की मां ने यूनिवर्सिटी के डेंटिस्ट्री डिपार्टमेंट के हेड को थप्पड़ लगा दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, छात्रों ने बताया कि जाली हस्ताक्षर के आरोपों की वजह से ज्योति तनाव में थी। मां का आरोप है कि बेटी को शिक्षकों की तरफ से कहा जाता था कि तुम तो खुद सिग्नेचर कर लेती हो। हमारी जरूरत क्या है? हम तुम्हें फेल कर देंगे।" फिलहाल इस मामले में दो शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया गया है और यूनिवर्सिटी ने एक हाई लेवल कमेटी का भी गठन किया है, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। दो लोगों को अभी पूछताछ के लिए हमने हिरासत में लिया है, अभी गिरफ्तारी नहीं की है। सबूतों के आधार पर कार्रवाई करेंगे, जांच जारी है।

महिला तस्कर से 10 लाख की स्मैक बरामद

कटिहार – कटिहार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रौतारा थाना क्षेत्र से 800 ग्राम स्मैक के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि छोटू नामक युवक की गैरमौजूदगी में उसकी पत्नी ही तस्करी का पूरा काम संभाल रही थी। कटिहार पुलिस ने सीमांचल में स्मैक की तस्करी के काले खेल का पर्दाफाश करते हुए एक महिला को गिरफ्तार कर 800 ग्राम स्मैक बरामद की है। बरामद स्मैक की बाजार में कीमत 8 से 10 लाख रुपये बताई जा रही है। बताया जाता है कि महिला पहले स्मैक की कालाबाजारी में अपने पति का साथ देती थी और बाद में खुद स्मैक डिलीवरी में उतर चुकी है।

कटिहार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रौतारा थाना क्षेत्र से 800 ग्राम स्मैक के साथ एक महिला तस्कर

को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि छोटू नामक युवक की गैरमौजूदगी में उसकी पत्नी ही तस्करी का पूरा काम संभाल रही थी। इस मामले ने एक बार फिर दिखा दिया कि कैसे यह ज़हर सीमांचल में फैलाया जा रहा है। एएसपी अभिजीत कुमार सिंह ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि इस महिला का पति छोटू पासवान पहले भी स्मैक तस्करी को लेकर जेल जा चुका है और हाल के दिनों में वह जेल से बेल पर छूटने के बाद फिर से स्मैक तस्करी के मामले में ही प्राणपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार होने के बाद फिलहाल जेल में है। पुलिस की मानें तो छोटू के गैर मौजूदगी में उनकी पत्नी ही स्मैक डिलीवरी के काम को संभाल रही थी। पुलिस ने खुफिया सूचना के आधार पर छापा मारकर 800 ग्राम स्मैक के साथ महिला को गिरफ्तार कर लिया। बरामद स्मैक का बाजार मूल्य लगभग 8 से 10 लाख रुपये बताई जा रहा है। सफेद नशा के इस काला खेल में एक बार फिर बंगाल के रास्ते सीमांचल के इलाके तक स्मैक तस्करी के मामला सामने आया है। बता दें कि स्मैक एक जानलेवा नशा है जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह खत्म कर देता है। रासायनिक रूप से इसे डाई-एसिटिल-मॉर्फीन कहा जाता है।

9.19 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

मुंबई – राज्य सरकार के वस्तु एवं सेवा कर विभाग द्वारा फर्जी बिलिंग के मामले में जारी विशेष अभियान के अंतर्गत, श्री एक्यूरेट एंटरप्राइजेज के साझेदारी व्यवसाय के विरुद्ध जांच कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान, यह पाया गया कि फर्जी खरीदारी दिखाकर वस्तु एवं सेवा कर के अंतर्गत फर्जी कर छूट (इनपुट टैक्स क्रेडिट) प्राप्त करके लगभग 9.19 करोड़ रुपये की राजस्व हानि हुई थी। इस मामले में जिम्मेदार व्यक्तियों, त्रिभुवन सिन्हा (उम्र 50) और अख्तर खान (उम्र 55) को 21 जुलाई, 2025 को गिरफ्तार किया गया था और अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट, मुंबई ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह कार्रवाई राज्य कर संयुक्त आयुक्त (आई.पी.एस.) प्रेरणा देशभ्राता और राज्य कर उपायुक्त अनिल कुदाले के मार्गदर्शन में सहायक राज्य कर आयुक्त चंदर कांबले, दादासाहेब शिंदे, राजेश बदर (अन्वेषण 'ए', मुंबई) द्वारा की गई। इस कार्रवाई में राज्य कर निरीक्षकों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। राज्य माल एवं सेवा कर विभाग ने व्यापक नेटवर्क विश्लेषण उपकरणों का उपयोग करते हुए और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय करते हुए, ऐसे कर चोरी करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई जारी रखी है।

विशेष गौरव पुरस्कार के लिए 31 अगस्त तक जमा कराएं जानकारी

मुंबई – कक्षा 10वीं और 12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण होने वाले प्रत्येक बोर्ड के प्रथम पाँच पूर्व सैनिकों और उनके जीवनसाथियों को 10,000 रुपये का विशेष मानदेय दिया जाएगा। इसके लिए पूर्व सैनिकों के परिवारों को 31 अगस्त, 2025 तक जिला सैनिक कल्याण कार्यालय को इसकी सूचना देनी होगी। आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे प्रतिष्ठित और ख्यातिप्राप्त संस्थानों में प्रवेश पाने वाले पूर्व सैनिकों के बच्चों को 25,000 रुपये का विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही, विभिन्न खेलों, साहित्य, संगीत, गायन, वादन, नृत्य, सफल उद्यमी, कंप्यूटर क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ, प्राकृतिक आपदाओं में बहुमूल्य उपलब्धियाँ और देश व राज्य का मान बढ़ाने वाली महत्वपूर्ण उपलब्धियों में पुरस्कार प्राप्त करने वाले पूर्व सैनिकों, उनकी पत्नियों और बच्चों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। पात्र लाभार्थियों को फ़ोन नंबर 022- 35183861 / 8591983861 पर संपर्क करना चाहिए, ऐसी अपील मुंबई शहर के जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से की है।

अल्पसंख्यको की विरासत जैन पांडुलिपि पर राष्ट्रीय कार्यशाला

नई दिल्ली – भारत की सभ्यतागत गहराई और समावेशी सांस्कृतिक नीति को दर्शाने वाली एक ऐतिहासिक पहल के तहत, उन्नत अनुसंधान के माध्यम से भारतीय ज्ञान प्रमाणीकरण विभाग के तत्वावधान में आज गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में जैन पाण्डुलिपि के महत्व पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।

भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) द्वारा वित्त पोषित इस कार्यशाला में जैन पांडुलिपियों में निहित गहन बौद्धिक और आध्यात्मिक विरासत को जानने और उसका उत्सव मनाने के लिए प्रतिष्ठित विद्वानों, जैन भिक्षुओं, शिक्षाविदों और अधिकारियों को एक साथ लाया गया। इस कार्यक्रम में जैन दर्शन और प्राकृत साहित्य के प्रख्यात विद्वान श्री सुनील सागर महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनकी उपस्थिति और आशीर्वाद ने कार्यशाला के शैक्षणिक वातावरण को और समृद्ध किया।

मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य भाषण देते हुए, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्रशेखर कुमार ने पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों और अल्पसंख्यकों की विरासतीय भाषाओं के संरक्षण, पुनरुद्धार और प्रसार के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। उनके साथ संयुक्त सचिव राम सिंह और उप सचिव श्री श्रवण कुमार भी उपस्थित थे। उन्होंने प्राचीन भारतीय परंपराओं के अनुसंधान और प्रमाणीकरण को बढ़ावा देने में मंत्रालय की सक्रिय भूमिका के बारे में बताया।

डॉ. कुमार ने कहा, "भारत सरकार को उन पहलों का समर्थन करने पर गर्व है जो हमारे अल्पसंख्यक समुदायों की विशाल और विविध बौद्धिक परंपराओं को दर्शाती हैं। इन परंपराओं का संरक्षण न केवल हमारे अतीत का सम्मान है बल्कि सांस्कृतिक रूप से समृद्ध भविष्य की नींव को भी मजबूत करता है।"

यह कार्यशाला प्राचीन ज्ञान को समकालीन शैक्षिक और सांस्कृतिक ढांचे में एकीकृत करने के सरकार के रणनीतिक प्रयास का प्रमाण है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को न केवल संरक्षित किया जाए बल्कि उन्हें भावी पीढ़ियों के लिए सुलभ और प्रासंगिक भी बनाया जाए। यह पीएमजेवीके के तहत सभी छह अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, पारसी और जैन के उत्थान और सशक्तिकरण के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है जिसमें शैक्षणिक अनुसंधान और विरासत के संरक्षण को बढ़ावा दिया जाएगा। पारसी-ज़ोरास्ट्रियन परंपरा की अवेस्ता और पहलवी भाषाओं के संरक्षण के लिए मुंबई विश्वविद्यालय के सहयोग से एक ऐसी ही पहल पहले से ही चल रही है। यह सरकार के समावेशी और अखिल भारतीय दृष्टिकोण को और भी रेखांकित करती है। गुजरात विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका के साथ, ऐसे सहयोग नए शैक्षणिक रास्ते तैयार कर रहे हैं जो परंपरा और आधुनिकता के बीच सेतु का काम करते हैं तथा भारत के विविध समुदायों के बीच गौरव, संरक्षण और प्रगति को बढ़ावा देते हैं।

संसद और मुंबई अटैक का लश्कर आतंकी अब्दुल की मौत

पाकिस्तान – संसद पर 2001 में हुए आतंकी हमले और 2008 के मुंबई अटैक में अहम रोल निभाने वाला लश्कर का टॉप आतंकी अब्दुल अजीज गुमनामी की मौत मर गया। सूत्रों के अनुसार वह भारत के ऑपरेशन सिंदूर में घायल हुआ था। भारत के संसद पर 2001 में हुए आतंकी हमले और 26/11 मुंबई अटैक में अहम रोल निभाने वाला लश्कर का खूंखार आतंकी अब्दुल अजीज की अस्पताल में तड़प-तड़प कर अस्पताल में मौत हो गई। भारत के ऑपरेशन सिंदूर में 6-7 मई की रात हुए मिसाइल हमले में वह घायल हुआ था। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान अब्दुल अजीज के तड़पने और उसकी मौत के बाद जनाजे पर आंसू बहाने वाले अन्य लश्कर आतंकियों की तस्वीरें और वीडियो OsintTV पर सामने आई है।

अब्दुल अज़ीज़ पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष फंडिंग ऑपरेटिव और रणनीतिक मॉड्यूल संचालक था। जो कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर में घायल होने के बाद आखिरकार एक दर्दनाक और गुमनाम मौत मारा गया। बीते दिनों उसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अब उसके अंतिम संस्कार के दृश्य सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। उसके जनाज़े में लश्कर का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह कसूरी, अब्दुर रऊफ और संगठन के अन्य प्रमुख सदस्य आंसू बहाते देखे जा सकते हैं।

अब्दुल अज़ीज़, लश्कर-ए-तैयबा का पुराना और भरोसेमंद सदस्य था। वह सिर्फ एक आतंकी नहीं, बल्कि संगठन का प्रमुख वित्तीय संचालक और फंड जुटाने वाला एजेंट था। कहा जाता है कि वह खाड़ी देशों, ब्रिटेन और अमेरिका में बसे पाकिस्तानी और कट्टर इस्लामिक गुटों से चंदा इकट्ठा कर लश्कर को भेजता था। इसके अलावा वह आतंकी गतिविधियों के लिए लॉजिस्टिक्स, हथियार और भर्ती की जिम्मेदारी भी निभाता था। अब इस खूंखार आतंकी की मौत से लश्कर की कमर टूट गई है।

अब्दुल अज़ीज़ पर भारत में कई आतंकी हमलों में शामिल होने के आरोप लगे हैं। वह सीधे तौर पर आपरेशन प्लानिंग में शामिल नहीं रहता था, लेकिन धन और रसद के माध्यम से आतंकी हमलों को संभव बनाता था। खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक अब्दुल अज़ीज़ ने 2001 में संसद पर हुए हमले के लिए पाकिस्तान से फंड और उपकरण पहुंचाने में मदद की थी। इसके अलावा 2006 मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट मामले में अज़ीज़ की भूमिका फंडिंग से जुड़ी मानी गई थी। इसके बाद 2008 के मुंबई हमले में भी लश्कर का यह आतंकी कथित तौर पर समुद्री मार्ग से हथियार और सैटेलाइट फोन की आपूर्ति सुनिश्चित करने का जिम्मेदार था। इतना ही नहीं वह जम्मू-कश्मीर में स्थानीय मॉड्यूल्स को आर्थिक मदद देता रहा है और कट्टरपंथी युवाओं की भर्ती में भी उसका अहम रोल था। खुफिया सूत्रों के अनुसार अब्दुल अजीज मरकज पर हुए भारत के मिसाइल हमले में घायल हो गया था। उसने इससे पहले वर्षों तक आतंक फैलाने के लिए संसाधन जुटाए थे। मगर अब उसका अंत अकेलेपन और तकलीफ में हुआ। उसे न कोई "जन्नत" नसीब हुई और न ही कोई महिमा। वह अस्पताल में तड़प-तड़प कर गुमनामी की मौत मारा गया। आतंकवाद के रास्ते को चुनने वालों के लिए यह एक कड़ा संदेश है।

चुनाव स्वतंत्र और भयमुक्त वातावरण में हों – वाघमारे

अमरावती – आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की पृष्ठभूमि में, प्रशासनिक एजेंसियों को सभी सहायक मामलों और सुविधाओं के बारे में सटीक योजना बनानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चुनाव स्वतंत्र और भयमुक्त वातावरण में हों, राज्य चुनाव आयोग के आयुक्त दिनेश वाघमारे ने यहां निर्देश दिया।

आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की पृष्ठभूमि में, श्री वाघमारे ने विभागीय कार्यालय में आयोजित एक बैठक में तैयारियों की समीक्षा की। वे इस समय बोल रहे थे। इस अवसर पर राज्य चुनाव आयोग के सचिव सुरेश काकानी, विभागीय आयुक्त डॉ. श्वेता सिंघल, राज्य चुनाव आयोग के विशेष कर्तव्य अधिकारी ए. गो. जाधव, जिलाधिकारी आशीष येरेकर (अमरावती), अजीत कुंभार (अकोला), डॉ. किरण पाटिल (बुलडाणा), श्रीमती भुवनेश्वरी एस. (वाशिम), यवतमाल के प्रभारी जिलाधिकारी अनिल खंडागले, उपायुक्त संतोष कवड़े और सभी पांच जिलों के जिला परिषद और नगरपालिका प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य चुनाव आयोग के आयुक्त वाघमारे ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के सिलसिले में अमरावती संभाग की चुनाव तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के सिलसिले में मतदाताओं और

मतदान केंद्रों की बढ़ी संख्या के अनुसार जनशक्ति की योजना बनाई जानी चाहिए। महिला चुनाव अधिकारियों-कर्मचारियों और मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों पर पेयजल और शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। दिव्यांग मतदाताओं के लिए हर मतदान केंद्र पर रैंप, व्हीलचेयर आदि उपलब्ध कराए जाने चाहिए। प्रशासन द्वारा मतदान केंद्र पर मतदाताओं के लिए सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराने के कारण मतदान प्रतिशत में कमी आने की शिकायत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि संवेदनशील मतदान केंद्रों पर कड़ी पुलिस सुरक्षा और सीसीटीवी सिस्टम लगाए जाने चाहिए। ईवीएम मशीनों की उपलब्धता को देखते हुए, जिलों को पहले अपनी मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) करनी चाहिए और तदनुसार, नियंत्रण इकाइयों, मतपत्र इकाइयों और सहायक वस्तुओं की उपलब्धता को दोगुना करना चाहिए। जिन जिलों में अधिक ईवीएम मशीनें हैं, उन्हें आसन्न जिलों की मांग पूरी करनी चाहिए।

चुनाव कार्य के संचालन के लिए आवश्यक अधिकारियों और कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिए इस संबंध में संयुक्त जनशक्ति की मांग के बारे में आयोग को सूचित किया जाना चाहिए। चुनाव के लिए जनशक्ति को काम पर रखने और इस संबंध में नियुक्ति आदेश जारी करते समय आयोग के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। अनुभवी मास्टर ट्रेनर नियुक्त किए जाने चाहिए और प्रशिक्षण आयोजित किया जाना चाहिए और चुनाव प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। मतदाता सूची 1 जुलाई, 2025 की अर्हता तिथि पर तय की जाएगी। तदनुसार, मतदाता सूची और विभाजन के संबंध में कार्रवाई पूरी की जानी चाहिए, ये निर्देश राज्य चुनाव आयोग के आयुक्त श्री वाघमारे ने इस अवसर पर दिए। राज्य में स्थानीय स्वशासन निकायों के अंतर्गत जिला परिषद, नगर निगम और नगर पालिका के चुनाव होने हैं। तदनुसार, जिला प्रशासन को सभी आवश्यक कार्यों को पूरा करने के लिए सटीक योजना बनानी चाहिए। मतदान केंद्रों पर मतदाता सूचियाँ और सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के सभी मतदाता सुरक्षित वातावरण में मतदान कर सकें। मतगणना के लिए तालुका स्तर पर पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो, इस प्रकार योजना बनाई जानी चाहिए। इस अवसर पर आयोग के सचिव श्री काकानी ने कहा कि कार्यान्वयन एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए ज़िम्मेदारी से प्रयास करने चाहिए कि चुनाव पारदर्शी और स्वतंत्र वातावरण में संपन्न हों। संभागीय आयुक्त डॉ. सिंघल ने कहा कि आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए संभाग में चुनाव सुचारू रूप से संपन्न कराए जाएंगे और तैयारियों का अवलोकन किया। इस अवसर पर संभाग के जिलाधिकारियों ने अपने-अपने जिलों में चुनाव तैयारियों के संबंध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी।

सर्पमित्रों की मांगों पर सकारात्मक विचार करेंगे – बावनकुले

मुंबई = सर्प प्रेमी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नागरिकों की जान सांपों से बचाने के लिए काम करते हैं। इन सर्प प्रेमियों को अलग पहचान दिलाने और किसी भी दुर्घटना की स्थिति में उन्हें या उनके परिवारों को दुर्घटना बीमा जैसी आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए वन विभाग के माध्यम से मुख्यमंत्री को सिफारिश की जाएगी और उनकी मांगों पर सकारात्मक विचार किया जाएगा, ऐसा राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा। सर्प प्रेमियों की विभिन्न मांगों को लेकर राजस्व मंत्री श्री बावनकुले की अध्यक्षता में मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मिलिंद म्हैसकर, राज्य वन्यजीव संरक्षक एम. श्रीनिवास राव, अखिल भारतीय सर्प प्रेमी एवं पशु प्रेमी संघ के अध्यक्ष प्रो. डॉ. संभाजी पाटिल और प्रतिनिधि उपस्थित थे। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सपेरों को दुर्घटना में मृत्यु होने पर 10 से 15 लाख रुपये का बीमा मुआवजा मिले, इसके लिए वन विभाग के माध्यम से मुख्यमंत्री से चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि काम करते समय किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए उनके लिए पुलिस सत्यापन और दिशानिर्देश तैयार किए जाएं और उन्हें पहचान पत्र दिए जाएं, आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा सपेरों को फ्रंट लाइन वर्कर के रूप में मान्यता दी जाए, सपेरों की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध हो, इसके लिए एक अलग पोर्टल बनाया जाए आदि मुद्दों पर वन विभाग को सकारात्मक विचार कर निर्देश दिए जाएंगे। राज्य वन्यजीव संरक्षक एम. श्रीनिवास राव ने कहा कि सर्प प्रेमियों को वन्यजीव कानून का सख्ती से पालन करना चाहिए।

न्यूज गैलरी

जमानत मिलने पर पीड़ता के घर के सामने जश्न मना रहे आरोपियों को पुलिस ने सिखाया सबक

उल्हासनगर – आरोपियों ने जमानत मिलने के बाद पीड़िता के घर के सामने जश्न मनाया था। ऐसे में पुलिस ने उन्हें दोबारा गिरफ्तार कर पूरे शहर में परेड कराई। इससे उनकी अक्ल ठिकाने आ गई। उल्हासनगर में पीड़िता के घर के पास जमानत का जश्न मनाने वाले आरोपियों को पुलिस ने सबक सिखाया है। पुलिस ने छेड़छाड़ के आरोपियों को जमानत मिलने पर उन्हें दूसरी बार गिरफ्तार किया। इसके बाद पूरे शहर में उनकी परेड निकलवाई और माफी मांगने को कहा। इसके बाद से आरोपियों की अक्ल ठिकाने आ गई है। दोनों आरोपियों की पहचान रोहित बिपिन झा और आशिष झा के रूप में हुई है। ये दोनों हत्या के प्रयास और छेड़छाड़ के आरोप में जेल में बंद थे। अदालत से जमानत मिलने के बाद जब वे उल्हासनगर लौटे, तो उनके समर्थकों ने ढोल-ताशे के साथ जुलूस निकालते हुए पीड़िता के घर के सामने पटाखे फोड़े और शक्ति प्रदर्शन किया। इस हरकत से इलाके में भय और तनाव का माहौल पैदा हो गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस तुरंत हरकत में आई। दोनों आरोपियों के खिलाफ नई धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें दोबारा गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इन आरोपियों को बाजार क्षेत्र में 'कानूनी बारात' के रूप में घुमाया, ताकि आम जनता के मन से डर खत्म हो और कानून का डर आरोपियों में बना रहे। पुलिस की कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की। 27 अप्रैल की रात उल्हासनगर कैंप नंबर 2 स्थित रमाबाई टेकड़ी में शराब के नशे में हुए विवाद के बाद एक व्यक्ति की लोहे की तलवार और रॉड से पिटाई की गई। इस मामले में पुलिस ने दिवाकर और अन्य आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास और आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का मामला दर्ज किया था। हालांकि, दिवाकर यादव को जमानत मिलने के बाद, पटाखे फोड़ते हुए जुलूस निकालने का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। घटना के अनुसार, 27 अप्रैल की रात हंशु झा पीपल के पेड़ के पास शराब पी रहा था, तभी उसका मिलन साहनी से विवाद हो गया। इसके बाद दिवाकर यादव, सुनील यादव, प्यारेलाल यादव, ज्योति यादव ने एक अवैध समूह इकट्ठा किया और हंशु झा पर लोहे की तलवार और रॉड से हमला कर दिया।

प्रमिला ताई मेढ़े के निधन पर प्रधानमंत्री ने व्यक्त किया शोक

नागपुर – प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका श्रीमती प्रमिला ताई मेढ़े के निधन पर शोक व्यक्त किया. प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका अनुकरणीय जीवन समावेशी सामाजिक विकास और महिला सशक्तिकरण के मार्ग में आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का प्रकाशस्तंभ बना रहेगा। उन्होंने एक्स पर लिखी पोस्ट में कहा,"राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका रहीं श्रद्धेय प्रमिला ताई मेढ़े जी के देहावसान से अत्यंत दुख हुआ है। उनका संपूर्ण जीवन समाज और राष्ट्र सेवा को समर्पित रहा। महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में उनके अमूल्य योगदान को सदैव याद किया जाएगा। ईश्वर शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और प्रशंसकों को संबल प्रदान करे। ओम शांति!" "राष्ट्र सेविका समितीच्या प्रमुख संचालिका राहिलेल्या आदरणीय प्रमिलाताई मेढे यांच्या देहावसानामुळे अत्यंत दुःख झाले आहे. त्यांचे संपूर्ण जीवन समाज आणि राष्ट्रसेवेला समर्पित होते. महिला सक्षमीकरणासोबतच सामाजिक कार्यांमधील त्यांच्या अमूल्य योगदानाचे सदैव स्मरण केले जाईल. या शोकाकुल प्रसंगी परमेश्वर त्यांच्या कुटुंबीयांना आणि चाहत्यांना बळ देवो. ओम शांती!" राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका रहीं श्रद्धेय प्रमिला ताई मेढ़े जी के देहावसान से अत्यंत दुख हुआ है। उनका संपूर्ण जीवन समाज और राष्ट्र सेवा को समर्पित रहा। महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में उनके अमूल्य योगदान को सदैव याद किया जाएगा। ईश्वर शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और प्रशंसकों को संबल प्रदान करे। ओम शांति!

राज्य सरकार एसटी निगम और कर्मचारियों के पीछे मजबूती से खड़ी है – उपमुख्यमंत्री पवार

पुणे – उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि राज्य सरकार का रुख यह है कि एसटी निगम और एसटी श्रमिकों के बुनियादी मुद्दों को हल किया जाना चाहिए और राज्य सरकार एसटी श्रमिकों के पीछे मजबूती से खड़ी है। वे महाराष्ट्र एसटी श्रमिक संघ के महासचिव हनुमंत तातेड़ के अमृत महोत्सव समारोह और इस अवसर पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में बोल रहे थे। हडपसर के विट्ठल तुपे थिएटर में आयोजित कार्यक्रम में उद्योग मंत्री उदय सामंत, महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर, विधायक चेतन तुपे, बापूसाहेब पठारे, वरिष्ठ श्रमिक नेता बाबा आढव, पूर्व विधायक रवींद्र धांगेकर, सुनील टिंगरे, म्हाडा के पूर्व उपाध्यक्ष विजय कोलते, पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष प्रो. दिगंबर दुर्गाडे, महाराष्ट्र एसटी श्रमिक संघ के अध्यक्ष संदीप शिंदे आदि उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री पवार ने कहा, कोरोना काल में एसटी कर्मचारियों के वेतन का प्रश्न था। उस समय राज्य सरकार ने पहल करते हुए वेतन के लिए आवश्यक प्रावधान किया। राज्य सरकार कठिनाई के समय में एसटी कर्मचारियों और उनके परिवारों के

साथ खड़ी है। एसटी 1948 से आम आदमी को यात्रा सेवाएँ प्रदान करता आ रहा है और 'हर गाँव में एसटी' के आदर्श वाक्य के अनुसार आम आदमी को यात्रा सेवाएँ प्रदान कर रहा है। सेवाएँ प्रदान करते समय एसटी को जनोन्मुखी होना चाहिए। यात्रियों को भी सस्ती दरों पर सेवाएँ प्रदान करना आवश्यक है और कर्मचारियों को भी इस संबंध में पहल करनी चाहिए। राज्य में शहरों के विस्तार के कारण, रणनीतिक रूप से स्थित एसटी स्थल शहर के मध्य भाग में आ गए हैं। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर एसटी स्टेशनों के विकास के लिए अनुबंध अवधि को 30-30-30 वर्ष तक बढ़ाने की नीति लागू है। हालाँकि, कम अवधि के कारण डेवलपर्स आगे नहीं आ रहे हैं, इसलिए राज्य सरकार जल्द ही इसमें बदलाव करते हुए अनुबंध अवधि को पहले 49 और फिर 49 वर्ष, 98 वर्ष तक बढ़ाने के लिए एक नई नीति ला रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इससे आम आदमी को अच्छी बुनियादी सुविधाएँ मिल सकेंगी।

सरकार की भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि आम आदमी को सेवा प्रदान करने वाली एसटी बसें अच्छी हों। डीजल ईंधन की लागत बचाने के लिए इलेक्ट्रिक बसों (ईवी) को प्रोत्साहित करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इसके लिए बड़ी सब्सिडी दे रही है और राज्य सरकार भी प्रयास कर रही है। इंदापुर तालुका के एक सामान्य परिवार से आने वाले और एसटी में क्लर्क की नौकरी करने के बाद, श्रमिक संगठन के महासचिव हनुमंत तातेड़ ने श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन से जुड़कर डिपो सचिव, विभाग सचिव, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष से लेकर महासचिव तक के पद पर उल्लेखनीय प्रगति की। उन्होंने दो बार निगम में श्रमिक प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया। उपमुख्यमंत्री पवार ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने श्रमिकों की समस्याओं के लिए लगातार पहल की। उद्योग मंत्री सामंत ने कहा, "जब एसटी निगम के कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर जाते हैं, तो उन्हें यात्रियों की भी चिंता होती है। पांच साल पहले, उनकी मांगों के अनुरूप, राज्य सरकार ने सकारात्मक निर्णय लेते हुए वेतन में 6,500 रुपये की वृद्धि की थी। हमारा एसटी निगम देश में कर्मचारियों को सबसे अधिक वेतन देने वाला निगम है।" महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक विकास निगम ने एसटी स्टेशनों के विकास के लिए 600 करोड़ रुपये दिए हैं और इससे विभिन्न स्टॉप विकसित किए जा रहे हैं। राज्य के सभी जिलों के स्टेशनों को बस पोर्टल के रूप में विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि एसटी कर्मचारियों को स्टेशनों पर अच्छी सुविधाएं मिलने पर जोर दिया जाना चाहिए। इस अवसर पर ताते और उनकी पत्नी को उपमुख्यमंत्री और उद्योग मंत्री ने सम्मानित किया। सम्मान के प्रत्युत्तर में ताते ने भाषण दिया। श्रमिक नेता बाबा आढव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संगठन के अध्यक्ष संदीप शिंदे ने परिचय दिया। इस अवसर पर महाराष्ट्र एसटी श्रमिक संघ के पदाधिकारी, महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम के कर्मचारी और नागरिक उपस्थित थे।

परिवहन श्रेणी के वाहनों के लिए नया MH31GD नंबर शुरू

नागपुर – क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, नागपुर (शहर) के अधिकार क्षेत्र में नए पंजीकृत परिवहन श्रेणी के वाहनों के लिए नई श्रृंखला MH31GD शुरू हो गई।

महाराष्ट्र मोटर वाहन नियमों के प्रावधानों के अनुसार, नए वाहनों के लिए आकर्षक पंजीकरण संख्याएँ आरक्षित हैं। आवेदन करते समय आवेदकों पर निम्नलिखित बिंदु लागू होंगे। परिवहन श्रेणी के वाहनों के लिए नई श्रृंखला MH31GD शुरू हो गई। यदि परिवहन के अलावा अन्य वाहनों के लिए आकर्षक नंबरों की आवश्यकता है, तो तीन गुना शुल्क देकर आकर्षक पंजीकरण संख्याएँ दी जाएँगी। पसंदीदा पंजीकरण संख्या के लिए पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्राथमिकता दी जाएगी। पसंदीदा पंजीकरण संख्या के लिए आवेदन के साथ निर्धारित प्रमाण की एक फोटोकॉपी, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट, पैन कार्ड आदि की सत्यापित प्रति और ईमेल आईडी आवश्यक है। यह पसंदीदा पंजीकरण संख्या वाहन 4.0 कंप्यूटर सिस्टम पर दी जाएगी और कार्यालय समय सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक है। पसंदीदा पंजीकरण संख्या के लिए आवेदन के साथ निर्धारित शुल्क का डिमांड ड्राफ्ट जमा करना होगा। एक ही नंबर के लिए एक से अधिक आवेदनों की स्थिति में, अगले कार्यदिवस, शुक्रवार, 1 अगस्त को अपराह्न 3.30 बजे तक निर्धारित शुल्क से अधिक राशि का डिमांड ड्राफ्ट जमा करने वाले आवेदक को वह नंबर दिया जाएगा। आकर्षक नंबर के लिए शुल्क का भुगतान करने के 180 दिनों के भीतर वाहन का पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

छात्रों से छात्रवृत्ति, शिक्षा और परीक्षा शुल्क वसूलने की अनुमति नहीं

नागपुर – राज्य सरकार अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण विभाग के माध्यम से ई.एम.वी., विजभाज और बीमाप्र श्रेणियों के छात्रों के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति/शिक्षा शुल्क, परीक्षा शुल्क प्रदान करने की योजना लागू कर रही है। इस योजना के अंतर्गत, गैर-व्यावसायिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के महाविद्यालय, सरकारी नीति के अनुसार उक्त श्रेणी के छात्रों को अनुमेय शिक्षण शुल्क, परीक्षा शुल्क और अन्य शुल्क की प्रतिपूर्ति करते हैं। तदनुसार, जिले के गैर-सहायता प्राप्त व्यावसायिक/गैर-व्यावसायिक पाठ्यक्रम महाविद्यालयों को सख्त निर्देश दिए जा रहे हैं कि वे ई.एम.वी., विजभाज और बीमाप्र श्रेणियों के छात्रों से प्रवेश के समय सरकार द्वारा अनुमेय कोई भी शुल्क न वसूलें। ऐसा पाए जाने पर संबंधित महाविद्यालय के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, यह जानकारी अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण (क्षेत्रीय) विभाग के क्षेत्रीय उपनिदेशक विजय वकुलकर ने दी है।

डॉ. वैशाली अटलोए का इसरो के मेडिकल ऑफिसर पद पर चयन

नागपुर – भारतीय आयुर्वेद शास्त्र प्राचीन है और मानव जीवन के लिए सहायक भी। आज विश्व ने भी हमारे आयुर्वेद की महत्ता को स्वीकार कर लिया है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में, जहाँ लोगों को आयुर्वेदिक उपचार की आवश्यकता होती है, वहाँ इसके विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं थे। इसी आवश्यकता को देखते हुए भारत सरकार के अंतर्गत कार्यरत

अंतरिक्ष विभाग की संस्था भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नागपुर स्थित राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र के कर्मचारियों को अब आयुर्वेदिक उपचार एवं विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इसी के तहत, सेना के पूर्व सैनिकों को निःशुल्क उपचार देने वाली और कोरोना काल में "देवदूत" के रूप में कार्य करने वाली आयुर्वेद वाचस्पति डॉ. वैशाली अटलोए की नियुक्ति मेडिकल ऑफिसर के रूप में की गई है। उनकी यह नियुक्ति केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत नागपुर के क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र में की गई है। डॉ. वैशाली अटलोए, त्रिशा आयुर्वेद अस्पताल की संचालिका हैं और कई वर्षों से चिकित्सा क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। उनके पास दीर्घकालीन अनुभव है और उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान जनहित में जो सेवा दी, वह सदैव स्मरणीय रहेगी। धन्वंतरि की कृपा सभी पर बनी रहे "स्वास्थ्य ही मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति है", यह बात सभी जानते हैं। लेकिन वर्तमान जीवनशैली बहुत तनावपूर्ण हो गई है, जिससे कई लोगों का स्वास्थ्य संकट में है। ऐसी स्थिति में आयुर्वेद की सहायता से हम निश्चित रूप से एक स्वस्थ और मजबूत जीवन जी सकते हैं, यह स्पष्ट विचार डॉ. वैशाली अटलोए ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी लोग वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत, और शिशिर – इन छह ऋतुओं के अनुसार अपने आहार और व्यवहार का नियोजन करें, तो हमारा स्वास्थ्य अवश्य ही अच्छा बना रहेगा।

एचआईवी संक्रमित नाबालिग लड़की से रेप, 5 पर मामला दर्ज

लातूर – एचआईवी संक्रमित नाबालिग लड़की से रेप की घटना सामने आई है। इस मामले में 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। महाराष्ट्र के लातूर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक एचआईवी संक्रमित नाबालिग लड़की से रेप की घटना

सामने आई है। इस घटना के बाद लड़की प्रेग्नेंट हो गई और उसका अबॉर्शन भी हो गया। घटना एक नामी संस्थान से सामने आई है। इस घटना में 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है। लातूर में एचआईवी संक्रमित एक नाबालिग लड़की के साथ रेप की घटना सामने आई है।

यह घटना लातूर जिले के औसा तालुका स्थित एक नामी संस्थान में हुई। इससे हड़कंप मच गया। चौंकाने वाली बात यह है कि रेप के बाद पीड़ित लड़की गर्भवती हो गई और उसका गर्भपात हो गया।

पीड़ित लड़की की शिकायत के आधार पर धाराशिव तालुका के ढोकी पुलिस स्टेशन में 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बताया गया है कि इस संस्थान में कुछ अन्य लड़कियों ने भी अपने साथ दुर्व्यवहार की शिकायत की है।

फिलहाल, पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ बाल यौन शोषण समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। ढोकी पुलिस से औसा पुलिस को मामला स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस मामले सभी की गिरफ्तारी हुई है। औसा तालुका के जिस प्रतिष्ठित संस्थान से ये खबर सामने आई है, उसे कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं। इस घटना से शिक्षा जगत में हड़कंप मच गया है। फिलहाल, पीड़ित लड़की का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एचआईवी एक वायरस है जो मानव इम्यून सिस्टम पर हमला करता है, खासकर CD4 कोशिकाओं (T-कोशिकाओं) को, जो शरीर को संक्रमणों से लड़ने में मदद करती हैं। यदि इसका इलाज न किया जाए, तो एचआईवी इम्यून सिस्टम को कमजोर कर सकता है, जिससे AIDS (Acquired Immunodeficiency Syndrome) नामक स्थिति विकसित हो सकती है। AIDS, HIV का अंतिम चरण है, जिसमें शरीर गंभीर संक्रमणों और कुछ कैंसर के प्रति अतिसंवेदनशील हो जाता है।

बाघ... सिर्फ शिकारी नहीं, बल्कि इस जीवोम की सांस!

भारतीय संस्कृति में बाघ सिर्फ़ एक जंगली जानवर नहीं, बल्कि शक्ति, शौर्य और पर्यावरण संतुलन का प्रतीक है। देवी दुर्गा के वाहन से लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज की तोपों पर अंकित बाघ तक, इसका प्रभाव साफ़ दिखाई देता है। इसी बाघ के लिए हर साल 29 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है - एक ऐसा दिन जो न सिर्फ़ जानवरों, बल्कि हमारी अपनी संवेदनाओं को भी जागृत करता है।

यद्यपि बाघ खाद्य श्रृंखला में शीर्ष शिकारी है, फिर भी इसका अस्तित्व संपूर्ण जैव विविधता के स्वास्थ्य के लिए है। एक बाघ लगभग 50 से 100 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में निवास करता है और अनजाने में उस आवास में कई प्रजातियों, पेड़ों और जल स्रोतों की रक्षा करता है। इसीलिए कहा जाता है - बाघ बचेगा तो जंगल बचेगा और जंगल बचेगा तो मानव जीवन भी सुरक्षित रहेगा। भारत में कभी 40,000 बाघ थे, लेकिन अंधाधुंध शिकार और वनों की कटाई के कारण 1972 तक केवल 1,400 ही बचे। इस गिरावट की पृष्ठभूमि में, ऐतिहासिक अभियान 'प्रोजेक्ट टाइगर' शुरू किया गया और आज भारत में फिर से 3,167 बाघ हैं - जो दुनिया में सबसे अधिक है!

महाराष्ट्र में बाघ संरक्षण में जलगाँव जिला भी बढ़ती भूमिका निभा रहा है। विशेष रूप से, बाघों ने 2011 के बाद यावल क्षेत्रीय वन प्रभाग में फिर से प्रवेश किया है। अब शोध के माध्यम से यह साबित हो गया है कि बाघ मेलघाट से वाघदर्य और वडोदरा रेंज होते हुए यावल के जंगलों में प्रवेश करते हैं। 2024 में, एक बाघ की स्पष्ट दृष्टि एक ट्रैप कैमरे में दर्ज की गई थी। 2025 में, गौतला-औत्रमघाट क्षेत्र में एक समान बाघ की उपस्थिति की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। यावल प्रभाग के सहायक वन संरक्षक समाधान पाटिल की जानकारी के अनुसार, वर्तमान में दो बाघ यावल क्षेत्र में पारगमन कर रहे हैं, जबकि 'बनाना टाइगर' के रूप में जाना जाने वाला एक बाघ कभी-कभी मुक्ताईनगर क्षेत्र में देखा जाता है। इसी तरह, पाल जंगल सफारी मार्ग पर भी हाल ही में बाघ के पैरों के निशान पाए गए हैं और संकेत हैं कि जंगल सफारी जल्द ही शुरू हो जाएगी।

इन सभी घटनाक्रमों की पृष्ठभूमि में, बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर 12 मई 2024 को यावल प्रादेशिक वन प्रभाग में आयोजित वन्यजीव गणना एक अनूठा अनुभव साबित हुई। इसमें चोपड़ा, वैजापुर, अदावद, देवजीरी, यावल (पूर्व-पश्चिम) और रावेर नामक सात वन क्षेत्रों में जानवरों की गणना के लिए कुल 39 मचानों का उपयोग किया गया। 80 प्रकृति प्रेमियों ने भाग लिया और कुल 584 जंगली जानवरों की गणना की गई। इसमें नीलगाय, चिंकारा, भेकर, सांभर, चौसिंगा और काला हिरण जैसे शाकाहारी जानवरों के साथ-साथ तेंदुआ, भेड़िया, सियार, जंगली बिल्ली, ततैया और भालू जैसे शिकारी जानवर भी देखे गए। विशेष रूप से, रावेर वन क्षेत्र में एक बाघ और चार तेंदुए देखे गए। ये सभी जानवर बाघ के प्राकृतिक आवास में सह-अस्तित्व में हैं।

इस पूरी पहल की सफलता केवल वन विभाग की ही नहीं, बल्कि पूरे ज़िले की ज़िम्मेदारी है। यह ज़िला प्रशासन के सहयोग, प्रकृति प्रेमियों के उत्साह, श्रीमती नीनू सोमराज (प्रधान वन संरक्षक), जमीर शेख (उप वन संरक्षक), समाधान पाटिल (सहायक वन संरक्षक) के प्रयासों के साथ-साथ ज़मीनी स्तर पर वन अधिकारियों और कर्मचारियों के कुशल प्रशासन और समन्वय से संभव हुआ है।

बाघों को बचाना सिर्फ़ एक प्रजाति को बचाने के बारे में नहीं है, बल्कि जलवायु, जल, मिट्टी, जंगलों और अंततः हमारे अपने भविष्य की रक्षा के बारे में भी है। इसलिए हम सभी को वनों की कटाई रोकने, अवैध शिकार के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाने, पर्यावरण शिक्षा बढ़ाने और ज़िम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने की ज़रूरत है।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर, आइए हम संकल्प लें –

"बाघ बचाएँ, जंगल बचाएँ, जीवन बचाएँ!"

– **युवराज पाटिल**
जिला सूचना अधिकारी, जलगांव

अब केन्द्रीय मानवाधिकार राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र इंटरनेट पर भी उपलब्ध..... website : www.manvadhikar.com